राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 329

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 7 मई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

चार्टर्ड विमान से वोट डालने रांची पहुंचे धौनी >> 5

महासमर 2019

- जातियों के चक्रव्यूह में उलझा फूलपुर लोकसभा क्षेत्र ● पेज 4
- राहुल गांधी के अमेठी नहीं आने पर स्मृति ईरानी ने कसा तंज ● पेज 5
- आतंक के आरोपित को बहन-बेटी नहीं देते तो देश कैसे दे दें : स्वरा ● पेज 6
- देश के लोग खुलकर प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं : जयराम ठाकुर ● पेज 6

विश्वास.News

केंद्र सरकार ने विदेश नहीं भेजा 200 टन सोना ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज 10

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

मोदी-शाह को क्लीन चिट वाला आदेश पेश करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद सुष्मिता देव को चुनाव आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को क्लीन चिट देने वाले आदेश को रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने दोनों नेताओं के खिलाफ चुनाव प्रचार के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषण देने और सशस्त्र बलों के इस्तेमाल की शिकायत की थी।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

स्वदेश निर्मित स्कॉर्पीन क्लास की चौथी पनडुब्बी वेला लांच

मुंबई : स्कॉर्पीन क्लास की चौथी स्वदेश निर्मित पनडुब्बी वेला का सोमवार को मुंबई में जलावतरण हो गया। कुछ महीनों के ट्रायल के बाद इसे भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। इस श्रेणी की पहली पनडुब्बी आइएनएस कलवरी करीब डेढ़ साल पहले नौसेना के बेड़े में शामिल हो चुकी है। इन उन्नत पनडुब्बियों से समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में बढ़ेगी।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

पश्चिम एशिया में युद्धपोत तैनात कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन : अमेरिका-ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका अब पश्चिम एशिया में विमानवाहक युद्धपोत और बमवर्षक विमान तैनात कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अमेरिकी हितों या उसके सहयोगी देशों के खिलाफ कोई हमला हुआ तो उसे भारी बल प्रयोग का सामना करना पड़ेगा।

आजकल ▶ पृष्ठ 14

भारत के डांस ग्रुप ने जीता अमेरिकी रियलिटी शो

लॉस एंजिलिस : मुंबई के हिप-हॉप डांस ग्रुप 'द किंग्स' ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। 17 से 21 साल की उम्र के 14 डांसरों के इस ग्रुप ने अमेरिकी रियलिटी शो 'वर्ल्ड ऑफ डांस' जीत लिया है। विजेता ट्रॉफी के साथ उन्हें दस लाख डॉलर (सात करोड़ रुपये) का इनाम भी मिला। गत 26 फरवरी को शुरू हुए इस शो के अंतिम राउंड में द किंग्स के साथ कनाडा, अमेरिका और फिलीपींस के ग्रुप ने जगह बनाई थी।

रन वर्षा
चेन्नई सुपरकिंग्स vs मुंबई इंडियंस
रात 7:30 बजे से
स्थान : चेन्नई
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

पश्चिम बंगाल में फिर वही हाल, हिंसा के बीच 74 फीसद मतदान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 51 सीटों पर 63.5 फीसद मतदान
- राजनाथ, सोनिया, राहुल और स्मृति ईरानी की किस्मत ईवीएम में कैद

लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों की तरह पांचवें दौर में भी पश्चिम बंगाल हिंसक घटनाओं के बीच वोटिंग में आगे रहा। सोमवार को सात राज्यों की 51 सीटों पर औसत 63.5 फीसद मतदान हुआ, जबकि बंगाल में करीब 74 फीसद वोट पड़े। मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड में भी अच्छा मतदान हुआ। वहीं बिहार व उत्तर प्रदेश में कुछ कम वोट पड़े। अब तक सबसे अधिक मतदान पहले चरण में 69.5 फीसद हुआ था। दूसरे चरण में 69.44, तीसरे में 68.40 और चौथे चरण में 65.51 फीसद वोट पड़े थे। सोमवार को मतदान के साथ ही लोकसभा की 543 सीटों में से 424 सीटों पर चुनाव संपन्न हो गया। अब अगले दो चरणों 12 और 19 मई को 119 सीटों पर मतदान होगा।

पांचवें चरण में राजनाथ सिंह, सोनिया गांधी, राहुल गांधी एवं स्मृति ईरानी सहित 674 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। करीब नौ करोड़ वोटरों ने मतदान में भाग लिया। उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीट अमेठी में 53.20 फीसद, रायबरेली में 53.68 व लखनऊ में 53.94 फीसद मतदान हुआ। लखनऊ में वोट डालने वालों में राजनाथ सिंह, बसपा सुप्रीमो मायावती शामिल थे।

पांचवें चरण में मतदान

राज्य	सीटें	वोटिंग फीसद
उत्तर प्रदेश	14	57.33
बिहार	5	57.86
पश्चिम बंगाल	7	74.42
जम्मू-कश्मीर	2	11.08
झारखंड	4	63.72
मध्यप्रदेश	7	66.31
राजस्थान	12	64 .00

जम्मू-कश्मीर की लद्दाख सीट पर 64 फीसद वोट पड़े। वहीं, अनंतनाग सीट के लिए पुलवामा व शोपियां में तीन फीसद से कम वोट पड़े। यहां से महबूबा मुफ्ती मैदान में हैं।

स्मृति ने राहुल पर बूथ कैप्चरिंग कराने का लगाया आरोप : स्मृति ईरानी ने ट्वीट कर अमेठी में राहुल गांधी द्वारा बूथ कैप्चरिंग कराने की शिकायत की। उन्होंने वीडियो भी शेयर किया, जिसमें एक वृद्धा कह रही थी कि उससे जबर्दस्ती पंजे का बटन दबवाया गया, जबकि वह कमल का बटन दबाना चाहती थी।

कड़े सुरक्षा इंतजाम में बंगाल में हिंसा : बंगाल की सात संसदीय क्षेत्रों में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष मतदान के लिए सौ फीसद बूथों पर केंद्रीय बल की 578 कंपनी तैनात की गई थी। बावजूद इसके छप्पा, प्राक्सी वोट, बमबाजी, प्रत्याशियों की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई है। बैरकपुर के भाजपा प्रत्याशी अर्जुन सिंह के साथ मारपीट की गई। नैहाटी में अर्जुन सिंह बाहरी लोगों का पीछा करते हुए भी नजर आए।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए सोमवार को लखनऊ में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखा। यहां नगरिया ठाकुरगंज स्थित केंद्र पर वोट डालने के लिए मतदाताओं की लंबी कतार नजर आई। जगदीश यादव

अमर्यादित आचरण के मामले में सीजेआइ को क्लीनचिट

शिकायत खारिज ▶ आंतरिक जांच कमेटी को आरोपों में नहीं मिला कोई आधार

जस्टिस बोबडे की अध्यक्षता वाली तीन जजों की कमेटी ने सौंपी अपनी रिपोर्ट

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अमर्यादित आचरण के आरोपों के मामले में प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) रंजन गोगोई को सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक जांच कमेटी से क्लीनचिट मिल गई है। कमेटी ने महिला की शिकायत खारिज करते हुए रिपोर्ट में कहा है कि शिकायत में कोई ठोस तत्व नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल की ओर से वेबसाइट पर जारी नोट में इंदिरा जयसिंह बनाम सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के 2003 के पूर्व फैसले का हवाला देते हुए कहा गया है कि आंतरिक जांच कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट की पूर्व महिला कर्मचारी ने 19 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के 22 जजों को हलफनामा भेजकर सीजेआइ रंजन गोगोई पर अमर्यादित आचरण के आरोप लगाए थे। महिला का आरोप था कि जब वह प्रधान न्यायाधीश के आवास स्थित दफ्तर में तैनात थी, उस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने उसके साथ अमर्यादित व्यवहार किया था। महिला ने अपनी शिकायत में दो घटनाओं का जिक्र किया था। आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के फुल कोर्ट (सभी न्यायाधीशों की बैठक) में प्रस्ताव पारित कर 23 अप्रैल को आंतरिक जांच कमेटी गठित की गई थी। कमेटी का मुखिया प्रधान न्यायाधीश के बाद दूसरे नंबर के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे को बनाया गया था और दो महिला न्यायाधीश जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस इंदू मल्होत्रा इसकी सदस्य थीं। पहले कमेटी में जस्टिस एनवी रमना शामिल थे जो सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों में वरिष्ठता में तीसरे नंबर पर आते हैं। लेकिन शिकायतकर्ता महिला की ओर से जस्टिस रमना को शामिल किए जाने पर आपत्ति जताने के बाद उन्होंने स्वयं को कमेटी से अलग कर लिया था। इसके बाद जस्टिस इंदू मल्होत्रा कमेटी में शामिल हुईं थीं।

सीजेआइ भी कमेटी में हुए थे पेश : कमेटी ने प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को कमेटी से मिलने के लिए लैटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था। जिस पर प्रधान न्यायाधीश एक मई को कमेटी में पेश हुए थे और उन्होंने कमेटी के सवालों का जवाब भी दिया था।

रंजन गोगोई

यह है मामला

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) रंजन गोगोई के खिलाफ आरोपों का यह मामला कुछ न्यूज वेबपोर्टलों की रिपोर्टों से 20 अप्रैल को सार्वजनिक हुआ था। आरोप सार्वजनिक होने के कुछ ही घंटे बाद सीजेआइ ने जस्टिस अरुण मिश्रा और संजीव खन्ना के साथ मामले पर सुनवाई की थी। हालांकि सीजेआइ ने सुनवाई के बीच में खुद को पीठ से अलग कर लिया था, लेकिन उससे पहले उन्होंने आरोपों को 'अविश्वसनीय' करार देते हुए कहा था कि इसके पीछे एक बड़ी साजिश है और वह आरोपों का खंडन करने के लिए भी उतने नीचे तक नहीं जा सकते।

कमेटी ने जस्टिस अरुण मिश्रा को सौंपी रिपोर्ट

माना जा रहा है कि कमेटी ने अपनी रिपोर्ट जस्टिस अरुण मिश्रा को सौंपी है जो कि सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के वरिष्ठताक्रम में चौथे नंबर पर आते हैं। इसका कारण यह है कि आरोप स्वयं प्रधान न्यायाधीश पर लगे हैं। दूसरे नंबर के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे आंतरिक जांच कमेटी के मुखिया थे। तीसरे नंबर के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमना ने स्वयं को कमेटी से अलग कर लिया था। इसलिए रिपोर्ट चौथे नंबर के वरिष्ठ न्यायाधीश को सौंपी गई है। रिपोर्ट की एक प्रति संबंधित न्यायाधीश यानी प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को भी दी गई है।

शिकायतकर्ता के भाग नहीं लेने पर की एकतरफा सुनवाई

शिकायतकर्ता महिला ने जांच कमेटी की तीन कार्यवाहियों में हिस्सा लेने के बाद 30 अप्रैल को प्रेस रिलीज जारी कर कमेटी की कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए उसमें भाग लेने से इन्कार कर दिया था। महिला ने कहा था कि उसे वकील या सहयोगी को साथ रखने की इजाजत नहीं दी जा रही है। न ही कमेटी ने उसके बयान की प्रति उसे मुहैया कराई है। कमेटी की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकार्डिंग भी नहीं हो रही है। महिला का कहना था कि कमेटी उसकी मांग नही मान रही है ऐसे में उसे कमेटी से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। कमेटी ने महिला को पहले ही बता दिया था कि अगर वह भाग नहीं लेगी तो कमेटी एकतरफा सुनवाई करेगी। लिहाजा इसके बाद कमेटी ने एकतरफा सुनवाई जारी रखने का फैसला लिया था।

शिकायतकर्ता महिला बोली, उठता जा रहा न्याय व्यवस्था से विश्वास

नई दिल्ली : शिकायतकर्ता पूर्व महिला कर्मचारी ने सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक कमेटी की रिपोर्ट में सीजेआइ को क्लीनचिट दिए जाने और उसके आरोपों में कोई तत्व नहीं पाए जाने पर गहरी निराशा जताई है। महिला ने कहा है कि तंत्र के अंदर शक्तिशाली के खिलाफ आवाज उठाने वाले गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिलने की व्यवस्था से उसका विश्वास उठता जा रहा है। महिला ने कहा है कि वह अपनी वकील से मशविरा करके अगला कदम उठाने पर फैसला लेगी। (पेज-3)

अब होगी साजिश के आरोपों की जांच

नई दिल्ली : महिला की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के बाद अब सीजेआइ पर इस तरह के आरोप लगाने के पीछे बड़ी साजिश और कारपोरेट फिक्सर लॉबी के सक्रिय होने के आरोपों की जांच शुरू होगी। वकील उत्सव बेंस ने हलफनामा दाखिल कर सीजेआइ को फंसाने के पीछे बड़ी साजिश और फिक्सर लॉबी के शामिल होने के आरोप लगाए थे। (पेज-3)

सीबीएसई 10वीं में 13 टॉपर, छह गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के

जेएनएन, नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के 10वीं के नतीजे में 13 विद्यार्थी टॉपर बनकर उभरे हैं। इन सभी ने 500 में 499 अंक हासिल किए। जो 13 विद्यार्थी अव्वल आए हैं, उनमें सात देहरादून रीजन के हैं। इन सातों में गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिले के तीन-तीन विद्यार्थी शामिल हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर 24 (498) और तीसरे स्थान पर 58 विद्यार्थी (497 अंक) रहे। देहरादून रीजन के सिद्धांत (गौतमबुद्ध नगर), दिव्यांशी (गौतमबुद्ध नगर) और प्रयागराज रीजन के योगेश कुमार गुप्ता (जौनपुर) को 500 में 499 अंक मिले। केंद्रीय विद्यालय के 99.47 और नवोदय विद्यालय के 98.57 फीसद बच्चे सफल रहे। 92.45 फीसद छात्राएं और 90.14 फीसद छात्र सफल रहे। 94.74 फीसद ट्रांसजेंडर बच्चों ने भी सफलता पाई।

त्रिवेंद्रम रीजन ने बाजी मारी : क्षेत्रवार (रीजन) प्रदर्शन की बात की जाए तो त्रिवेंद्रम पहले स्थान पर रहा। यहां से 99.85 फीसद बच्चे पास हुए। चेन्नई के 99 और अजमेर से 95.89 फीसद बच्चे पास हुए। चौथे स्थान पर पंचकूला और पांचवें स्थान पर उत्तर प्रदेश का प्रयागराज क्षेत्र रहा। 74.49 फीसद के साथ गुवाहाटी 10वें स्थान पर रहा।

अपूर्वा जैन गाजियाबाद

शिवानी, गौतमबुद्ध नगर

ईश मदान, गाजियाबाद

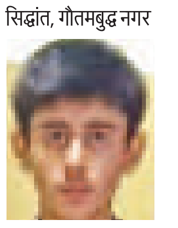

सिद्धांत, गौतमबुद्ध नगर

अंकुर, गाजियाबाद

दिव्यांश, गौतमबुद्ध नगर

38 दिनों में नतीजे देकर फिर चौंकाया

- 10 वीं की परीक्षा 29 मार्च को खत्म हुई थी और मात्र 38 दिनों में नतीजे आ गए।

499/500

अंक मिले 13 टॉपरों को, इनमें 7 छात्र, 6 छात्राएं
दूसरे स्थान पर 24 विद्यार्थियों को 498 अंक

- 91.1 % कुल सफल विद्यार्थी
- 90 .14 % छात्र पास
- 92 .45 %छात्राएं उत्तीर्ण
- 94 .74 % ट्रांसजेंडर विद्यार्थी सफल

499 अंकों के साथ ये छात्र रहे पहले स्थान पर

- सिद्धांत पेंगोरिया, गौतमबुद्ध नगर, उप्र
- दिव्यांश वाधवा, गौतमबुद्ध नगर, उप्र
- शिवानी, गौतमबुद्ध नगर , उत्तर प्रदेश
- अंकुर मिश्रा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- ईश मदान, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- अपूर्वा जैन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- वात्सल वार्ष्णेय, मेरठ कैंट, उप्र
- योगेश कुमार गुप्ता, जौनपुर, उप्र
- मान्या, बठिंडा, पंजाब
- आर्यन झा, जामनगर, गुजरात
- तारू जैन, जयपुर, राजस्थान
- भावना एन . कोप्पम पलक्कड़, केरल
- दिवजोत कौर, अंबाला कैंट, हरियाणा

मुजफ्फरपुर शेल्टर होम केस की जांच तीन जून तक पूरी की जाए

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम (बालिका गृह) में कथित तौर पर 11 लड़कियों की हत्या के मामले में जांच तीन जून तक पूरी करने को निर्देश दिया है। कोर्ट ने एजेंसी से इस मामले में स्थिति रिपोर्ट भी देने को कहा है।

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई और जस्टिस दीपक गुप्ता की पीठ ने सोमवार को कहा, चूंकि यह मामला 'अत्यावश्यक' है इसलिए अवकाश पीठ इस पर तीन जून को सुनवाई करेगी। इस बीच, सीबीआइ स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने समेत सभी जरूरी कार्रवाई पूरी करे। सीबीआइ की तरफ से पेश अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कोर्ट को बताया कि इस पहलु की जांच दो हफ्ते में पूरी कर पाना 'संभव नहीं होगा।' उन्होंने कहा, 11 लड़कियों की हत्या की गई थी और शीर्ष अदालत में दाखिल सीबीआइ के नवीनतम हलफनामे के मुताबिक 35 लड़कियों की पहचान हुई है जो कभी न कभी शेल्टर होम में रही थीं। हलफनामे में सीबीआइ ने कहा था कि मामले के मुख्य आरोपी ब्रजेश ठाकुर और उसके साथियों ने ही इन 11 लड़कियों की हत्या की थी। जांच एजेंसी ने शेल्टर होम में ही एक कब्र से 'हड्डियों का जखीरा' बरामद करने का भी दावा किया था।

एक एनजीओ द्वारा संचालित इस शेल्टर होम में कई लड़कियों के साथ दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया था। टाटा समाज विज्ञान संस्थान (टीआइएसएस) की रिपोर्ट के बाद सामने आए इस मामले से सनसनी फैल गई थी। बिहार पुलिस से मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई थी।

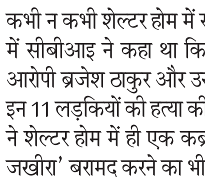

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ को दिया निर्देश, स्टेटस रिपोर्ट भी देने को कहा

हिमाचल में सातवीं के छात्र पर बच्ची से दुष्कर्म का शक

बिलासपुर : हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के एक निजी स्कूल में सवा तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सातवीं कक्षा के छात्र के संदेह के घेरे में आने पर पुलिस मेडिकल परीक्षण करवाने के लिए उसे और स्कूल के स्टाफ को जिला मुख्यालय लाई है। साक्ष्यों का मिलान होने के बाद छात्र पर जुवेनाइल एक्ट में कार्रवाई हो सकती है। (पेज-10)

एनएसई मामले में सेबी के आदेश पर सैट ने लगाई अंतरिम रोक

नई दिल्ली : सिक्युरिटीज अपीलीय प्राधिकरण (सैट) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को बड़ी राहत दी है। सैट ने सेबी के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है जिसमें एनएसई के अफसरों पर आर्थिक जुर्माने के साथ ही शेयर बाजार की गतिविधियों से भी दो साल तक अलग रहने को कहा था। मामला 2015 में एनएसई में ब्रोकरों के लिए सर्वर लगाने से जुड़ा है। (पेज-11)

राहुल-प्रियंका घिरे

राहुल और प्रियंका, बड़बोलेपन और अमर्यादित टिप्पणियों से खुद ही चक्रव्यूह में घिरते जा रहे हैं, राहुल ने सार्वजनिक रूप से फाड़ा था अपने ही पीएम मनमोहन सिंह का कैबिनेट नोट

प्रधानमंत्री की खरी-खरी से तिलमिलाई कांग्रेस

त्वरित टिप्पणी
प्रशांत मिश्र

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अपने बड़बोलेपन और अमर्यादित टिप्पणियों के चलते खुद ही राजनीतिक चक्रव्यूह में घिरते जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोमवार को राहुल-प्रियंका पर जवाबी हमला करते हुए उन्हें बाकी बचे दो चरणों के चुनाव अपने पिता के मान-सम्मान के बूते लड़ने की चुनौती दी। प्रधानमंत्री की इस खरी-खरी से कांग्रेस बुरी तरह तिलमिला गई है।

प्रधानमंत्री ने झारखंड की अपनी रैली में दिल्ली, पंजाब और भोपाल के चुनावों का जिक्र इसलिए किया क्योंकि भोपाल में गैस लीक कांड और दिल्ली व पंजाब में सिख नरसंहार और ऑपरेशन ब्लू स्टार की यादें लोगों के दिलोदिमाग से अभी तक उतरी नहीं हैं। लोगों को यह भी याद है कि भोपाल गैस कांड के मुख्य आरोपी एंडरसन को कांग्रेस सरकार ने ही देश से भागने का अवसर दिया था।

जो कांग्रेस आज प्रधानमंत्री के बयान को मर्यादा का उल्लंघन बता रही है, वह और उसके नेता खुद कितने मर्यादित रहे हैं, यह सभी लोग जानते हैं। यही राहुल गांधी थे जिन्होंने अपने ही प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का कैबिनेट नोट सार्वजनिक तौर पर एक प्रेस कांफ्रेंस में फाड़ दिया था। राहुल और प्रियंका आज भ्रष्टाचार के आरोप सरकार पर लगा तो रहे हैं, लेकिन वे यह भूल रहे हैं कि संप्रग सरकार का पूरा कार्यकाल भ्रष्टाचार से भरा रहा था। जबकि राफेल सौदे पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में सारे तथ्य रख चुकी हैं। इतना ही नहीं, सीएजी राफेल सौदे पर अपनी रिपोर्ट दे चुका है। जबकि सुप्रीम कोर्ट में अभी यह मामला चल ही रहा है। कांग्रेसी नेता यह तक भूल गए हैं कि जिस अनिल अंबानी को मौजूदा सरकार की तरफ से फायदा पहुंचाने की बात वे कर रहे हैं, उन्हें उनकी संप्रग सरकार में ही कितने कांट्रैक्ट दिए गए। लेकिन कांग्रेसियों को तब इस बात पर एतराज नहीं था। यह बात सब जानते हैं कि अनिल अंबानी को राफेल जहाज बनाने का नहीं, बल्कि उनकी कंपनी को केवल ऑफसेट कांट्रैक्ट मिला है और उसका चयन भी राफेल बनाने वाली कंपनी दासौ ने किया है। दरअसल राहुल गांधी किसी भी बात को मानने को तैयार ही नहीं हैं। बावजूद इसके वह प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने भी उन्हें खुली चुनौती दी है।

राहुल और प्रियंका की तरफ से प्रधानमंत्री को लेकर हो रही अमर्यादित टिप्पणियां लगातार बनी हुई हैं। पहले तो केवल राहुल गांधी ही अपनी चुनावी रैलियों में इस तरह का अनर्गल प्रलाप कर रहे थे, लेकिन बाद में इसमें उनकी बहन प्रियंका गांधी भी शामिल हो गईं। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव और पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका ने मर्यादा की सीमाएं तो तब तोड़ दीं जब वह प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी में बच्चों को शामिल करने तक से नहीं चूकीं। माना जा रहा है कि बाल आयोग ने प्रियंका को नोटिस भी दिया है। इस वजह से कांग्रेस संभवतः अब और तिलमिला गई है।

कांग्रेस की दिक्कत दरअसल यह है कि वह राजीव गांधी या बोफोर्स का नाम सुनना भी नहीं चाहती। कांग्रेसी प्रवक्ता कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री ने एक दिवंगत आदमी का नाम लेकर बहुत बड़ी गलती की है। अगर ऐसा है तो कांग्रेस को जवाब देना होगा कि पीवी नरसिम्हा राव क्या थे? ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस खुद भ्रमित है।

प्रियंका गांधी ने अपने चुनावी अभियान में लगातार इस बात के संकेत दिए कि वह वाराणसी से उम्मीदवार हो सकती हैं। लेकिन अंततः वह पीछे हट गईं। इसी तरह राहुल गांधी एक तरफ प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी में लोगों को शामिल करा रहे हैं तो दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न तो सही तरीके से खेद जता पा रहे हैं और न ही ठीक से सफाई दे रहे हैं। चुनावी नतीजे तो अभी भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन कांग्रेस को कुछ सवालों के जवाब तो देने ही होंगे।

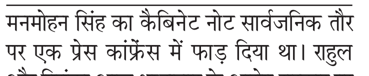

राहुल गांधी के बाद अब उनकी बहन प्रियंका गांधी भी प्रधानमंत्री के खिलाफ हमलावर हैं।

प्रधानमंत्री पर पलटवार में ममता बनर्जी ने लांघी लक्ष्मण रेखा

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- कहा, मैं मोदी की नौकर नहीं, उन्हें नहीं मानती प्रधानमंत्री
- बंगाल है इसीलिए सुन रहे हैं, दूसरा राज्य होता तो बाहर निकाल दिया होता

चक्रवात फणि के संबंध में फोन पर बात नहीं करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ममता बनर्जी को निशाने पर लिए जाने के अगले ही दिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने तीखा पलटवार किया। इस क्रम में ममता बनर्जी यहां तक कह गईं कि वह मोदी को प्रधानमंत्री नहीं मानतीं और उनकी नौकर नहीं हैं कि पीएम जहां बुलाएंगे वहां चली जाएंगी।

ममता बनर्जी ने झाड़ग्राम के गोपीबल्लभपुर उपमंडल में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एक्सपायरी प्रधानमंत्री राजनीति कर रहे हैं। क्या हम उनके नौकर हैं कि वह मुझे बुलाएंगे और मैं जाऊंगी। चुनाव के दौरान मैं आपके साथ मंच शेयर नहीं करूंगी। मैं आपको पीएम नहीं मानती हूं। जब अगले पीएम आएंगे तब मैं उनसे बात करूंगी। उन्होंने कहा, क्या पीएम अपनी पत्नी की देखभाल करते हैं? ऐसे पीएम क्या आपकी देखभाल कर सकते हैं? इस दौरान उन्होंने कहा कि वह मोदी द्वारा किए गए फोन को रिसीव नहीं कर सकीं, क्योंकि उस समय खड़गपुर में थीं। वहां से वह चक्रवात के संभावित प्रभाव पर नजदीकी नजर रखे हुए थीं।

ममता ने कहा कि मुझे आपसे (केंद्र सरकार से) भीख की जरूरत नहीं है। आप मुख्यमंत्री को नजरअंदाज कैसे कर सकते है? मीटिंग में मुख्य सचिव को बैठने के लिए कहा गया। ऐसा करने की आपकी हिम्मत कैसे हुई? आप मुख्यमंत्री के बिना कैसे मीटिंग कर सकते हैं? मिस्टर प्राइम मिनिस्टर आपने लोगों के लिए कुछ नहीं किया। आप क्या सिर्फ चक्रवात के लिए बंगाल पहुंचे हैं? आप राजनीतिक बैठकों के लिए यहां आए हैं। मुझे आपसे क्यों मिलना चाहिए? यह बंगाल है, इसलिए हम आपको सुनते हैं। अगर यह दूसरा राज्य होता तो आपको बाहर निकाल दिया होता।